5-4-13

वादीगण मय वकील प्रार्थना रजोगैन ने राजीनामा
पेश किया साथ में प्रा० पत्र पेश कर निवेदन
किया है कि पक्षकारों में राजीनामा हो गया है
इसलिये पत्रावली तहत [illegible]
मूल वाद एवं 7 नि. प्रा० पत्र निस्तारण करने की
कृपा करावें। इस पर पत्रावली तलब की जाकर
वादीगणों एवं प्रतिवादी रतनलाल को
सुना गया तो पक्षकारों में राजीनामा होना
स्वीकार किया है अतः वादीगणों का वाद/विवाद
प्रा० पत्र स्वीकार कर वाद फैसल किया गया।
पत्रावली फैसल शुमार होकर दाखिल दफ्तर
रिकार्ड हो। आदेश खुले न्यायालय में
सुनाया गया।

नरेट
राजेन्द्र
पितेन्द्र प्रसाद
रतन लाल

उप खण्ड अधिकारी
सांभर लेक

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

Scanned by CamScanner